

को सं. सं.

रीड

4-10-23 पञ्चमाली चैरा रीत। वकील प्राची अडो।
 प्राची स्वयं अडो/वत् वत् कामा अडो
 रीत रीत उपरगरी कल्पे अड। प्राची का
 प्राची पर अरुपरे निष्पेकाडो अडमपेव
 अडम अरुपरी ने अरुपरे विवा अरुपरे अरुपरे
 अरुपरे अरुपरे अरुपरे

Not Press
